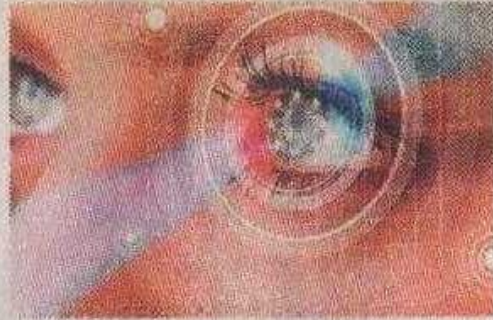


ये रंग है रोशनी का आइआईटी इंदौर व एम्स भोपाल मिलकर कर रहे डिजिटल हेल्थकेयर पर काम

अब आपकी आंखें बताएंगी गंभीर बीमारियों का पता...!

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआईटी इंदौर के चरक सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थकेयर और एम्स भोपाल मिलकर ऐसी तकनीक विकसित कर रहे हैं, जिससे आंखों को स्कैन कर स्वास्थ्य समस्याओं का शुरुआती चरण में ही पता लग जाएगा। इससे डायग्नोसिस प्रक्रिया न केवल तेज होगी, बल्कि सटीक भी होगी। आइआईटी इंदौर में स्थापित आइआईटीआई दृष्टि फाउंडेशन के चरक सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थकेयर और एम्स भोपाल के बीच चार माह पहले एक



साझेदारी हुई थी। इसका उद्देश्य मेडिकल तकनीक को नई दिशा देना और हेल्थकेयर सेक्टर में डिजिटल समाधान विकसित करना है। इसके तहत ऐसी मेडिकल डिवाइसेस और टेक्नोलॉजी पर काम किया जा रहा है, जो आंखें स्कैन करके बीमारियों की पहचान कर सके।

बाहर से नहीं मंगाना पड़ेगा मेडिकल डेटा

मेडिकल डिवाइस बनाने के लिए डेटा महत्वपूर्ण कारक होता है। अब तक आइआईटी इंदौर को रिसर्च के लिए विदेशों से डेटा खरीदना पड़ता था। इस साझेदारी के बाद एम्स भोपाल से मेडिकल डेटा मिल सकेगा। इससे देश में मरीजों के अनुसार तकनीक विकसित हो सकेगी। वहीं, मेडिकल डिवाइस बनाने के बाद उनकी टेस्टिंग और ट्रायल की प्रक्रिया के लिए विदेश नहीं भेजना पड़ेगा।

इंक्यूबेशन सेंटर से स्टार्टअप्स को मिलेगा लाभ

एम्स भोपाल का अपना एक इंक्यूबेशन सेंटर है, जहां नए हेल्थ टेक स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जाता है। इस साझेदारी के तहत अब चरक सेंटर भी इन स्टार्टअप्स को तकनीकी मदद देगा, जिससे वे और अधिक एडवांस मेडिकल इनोवेशन पर काम कर सकें।

जल्द आएंगे नतीजे

आइआईटीआई दृष्टि फाउंडेशन के सीईओ आदित्य एसजीव्यास ने बताया, आइआईटी इंदौर के विद्यार्थी, प्रोफेसर व एम्स भोपाल के डॉक्टरों ने 10 प्रोजेक्ट लिए थे। 5 पर काम शुरू हो चुका है। अप्रैल में आइआईटी इंदौर की चार से पांच वैज्ञानिकों की टीम एम्स भोपाल में जाकर रिसर्च करेगी। वहां की मेडिकल टीम के साथ मिलकर ऐसी डिवाइसेस पर काम होगा, जो आंखों को स्कैन कर बीमारियों का पता लगा सकें।